PART C — (4 × 10 = 40 marks)

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2 × 10 = 20)

प्रत्येक उत्तर 500 शब्दों में हो।

16. 'तुम लोगों से दूर' कविता का मूल्यांकन कीजिए।

17. 'वरदान माँगूँगा नहीं' कविता की विशेषताओं को लिखिए।

18. 'आनेवालों से एक सवाल' कविता का सारांश लिखिए।

किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। (1 × 10 = 10)

19. प्रगतिवादी कविता की प्रमुख विशेषताओं पर विचार कीजिए।

20. प्रेमचन्दोत्तर हिन्दी कहानी की प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

21. किन्हीं दो का परिचय दीजिए। (2 × 5 = 10)

(a) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला।

(b) सुमित्रानंदन पंत

(c) जैनेन्द्र कुमार

(d) मोहन राकेश

APRIL 2022 **70208/CLE4J/CL54H**

Time : Three hours Maximum : 75 marks

PART A — (5 × 3 = 15 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक उत्तर 50 शब्दों में हो।

1. मुक्तिबोध किस पीड़ा को सत्य मानते हैं?

2. कवि ने कल्पना को विलासिनी बनने को क्यों कहा?

3. कवि शिवमंगल सिंह 'सुमन' हृदय की वेदना में अपने आपको किस तरह संभाल कर रखान चाहाते हैं?

4. भारत भूषण अग्रवाल अपनी कविताओं को सार्थक क्यों मानते हैं?

5. छायावादी कवियों के प्रकृति चित्रण की क्या विशेषता है?

6. प्रगतिवाद की प्रमुख विशेषताएँ कौन-कौन सी हैं?

7. एकांकीकार उपेन्द्रनाथ अश्क का परिचय दीजिए।

8. कहानीकार जयशंकर प्रसाद का परिचय दीजिए।

Hindi - IV

PART B — (4 × 5 = 20 marks)

किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

9. वह विवर्ण मुख त्रस्त प्रकृति का
आज लगा हँसने फिर से,
वर्षा बीती, हुई सृष्टि में
शरद विकास नये सिरे से।

10. गतियों की दुनिया में
मेरी वह भूखी बच्ची मुनिया है शून्यों में
पेट की आँती में न्यूनों की पीड़ा है
छाती के कोषों में रहितों की क्रीड़ा है
शून्यों से घिरी हुई पीड़ा ही सत्य है।

11. गुलाम देश में मगर
किसी जवान लाश पर
निरीह शोक का कफ़न तानना गुनाह है
अश्रु-हास भी मना
भूख-प्यास भी मना
यहाँ मनुष्य को मनुष्य मानना गुनाह है,

12. चाहें हृदय को ताप दो
चाहें मुझे अभिशाप दो
कुछ भी करो कर्तव्य-पथ से किंतु भागूँगा नहीं।
वरदान मांगूँगा नहीं।

13. देश देश की स्वतंत्रता देवी
आज अमित प्रेम से उतारती
निकटपूर्व, पूर्व, पूर्व-दक्षिण में
जन-गण-मन इस अपूर्व शुभ क्षण में
गाते हैं घर में हो या रण में
भारत की लोकतंत्र - भारती।

14. तुम मेरी धरती की नयी पौध के फूल
तुम जिस के लिए मेरा तन-मन खाद बनेगा
तुम जब मेरी इन रचनाओं को पढ़ोगें
तो तुम्हे कैसा लगेगा
इसका मेरे मन में बड़ा कौतूहल है।

15. और तभी किसी दिन
किसी प्राचीन काव्य संग्रह में
तुम मेरी कविताएँ पढ़ोगें;
और उन्हें पढ़कर तुम्हें कैसा लगेगा।